सफलता की कहानी

किसान का नाम : फुदान बास्के
पिता का नाम : रघुनाथ बास्के
ग्राम : झरिया
पंचायत : भाटिन
प्रखण्ड : पोटका
जिला : पूर्वी सिंहभूम
राज्य : झारखण्ड

फुदान बास्के 12वीं तक पढ़ाई करने के बाद खेती–बाड़ी का काम में अपने पिताजी को हाथ बंटाने लगे। आर्थिक स्थिति बहुत अच्छी नहीं होने के कारण आगे चाहते हुए भी नहीं पढ़ पाये और बीच में ही पढ़ाई छुट गई। खरीफ मौसम में धान के साथ–साथ सब्जी एवं तेलहन की खेती कर रहे है। फुदान बास्के अपने खेत में लौकी, बरबटी, खीरा, भिंडी आदि लगाये है।

प्रखंड के आत्मा कर्मी ने फुदान बास्के को वर्मी कम्पोस्ट का प्रशिक्षण लेने के लिए कहा। फुदान बास्के को बताया गया वर्मी कम्पोस्ट का प्रशिक्षण के बाद खुद से ही उत्पादन का कार्य कर सकते है एवं अपने खेत में व्यवहार करने के अलावे अन्य किसानों को या व्यापारियों को बेचकर लाभ कमा सकते है।

आत्मा संस्थान की ओर से आयोजित सात दिवसीय Skill Training of Rural Youth (STRY) कार्यक्रम अन्तर्गत वर्मी कम्पोस्ट विषय पर प्रशिक्षण के बारे में जानकारी दी गई। यह प्रशिक्षण भारत सरकार के स्किल इंडिया प्रोग्राम के तहत मैनेज हैदराबाद एवं समेति रांची के संयुक्त तत्वाधान में किया गया था। दिनांक 05 से 11 अगस्त 2019 तक पूर्वी सिंहभूम जिला के आत्मा संस्थान में प्रशिक्षण का आयोजन किया गया था जिसमें आत्मा कर्मी के सुझाव से फुदान बास्के ने प्रशिक्षण में भाग लिया। इस सात दिवसीय प्रशिक्षण सत्र में कृषि विशेषज्ञों द्वारा विस्तार से प्रतिभागियों को वर्मी कम्पोस्ट उत्पादन की तकनीकी जानकारी दी गई जिससे फुदान काफी लाभान्वित हुए एवं जैविक विधि से खेती–बाड़ी को उत्साहित हुए।

युवा किसान फुदान बास्के स्वयं वर्मी कम्पोस्ट तैयार कर अपनी खेती–बाड़ी में व्यवहार करते है। विगत मौसम में फुदान ने लगभग 1 एकड़ में बैगन एवं लौकी का खेती किया था जिससे उन्हें 60 हजार से अधिक का मुनाफा हुआ है।